Ch-2

बगुला भगत

1) धूर्त - कपटी
2) कुशल पुछना - हाल - चाल जानना
3) दुष्ट - बुरा
4) चिंता - फ़िक्र
5) उपाय - तरीका
6) बदनाम - जिसका काम बुरा हो
7) चालाक - होशियार
8) पीड़ा - दर्द
9) दशा - हालात

2 (क) मछली-याँ कहाँ रहती थी?

A. मछलियाँ ~~कहाँ~~ तालाब में रहती थी।

(ख) तालाब के किनारे कौन रहता था?

A. तालाब के किनारे एक धूर्त और दुष्ट बगुला रहता था।

(ग) बगुला मछलियों को कहाँ लेकर मारता था?

A. बगुला मछलियों को दूर जंगल में एक बड़े तालाब के किनारे बड़ी चट्टान के पास ले जाकर मारता था

(घ) मछलियाँ बगुले को क्या कहकर पुकारती थीं?

A मछलियाँ बगुले को मामा कहकर पुकारती थीं।

2 (क) बगुला तालाब के किनारे किसका वेश बनाकर बैठा था और वह क्या सोच रहा था?

A बगुला तालाब के किनारे साधु का वेश बनाकर बैठा था। तालाब के किनारे बैठा बगुला तालाब की मछलियों से अपना पेट भरने का उपाय सोच रहा था।

(ख) मृत्यु के मुख से बचने के लिए मछलियों को क्या उपाय बताया?

A बगुले ने मछलियों को मृत्यु के मुख से बचने का यह उपाय बताया की वह एक-एक करके मछलियाँ के अपनी चोंच में पकड़कर दूर एक बड़े तालाब में छोड़ आएगा।

(ग) केकड़ा बगुले की धूर्तता बगुला मछलियों का क्या करता था?

A बगुला मछलियाँ ले जाता और दूर जंगल में एक बड़े तालाब के किनारे एक बड़ी चट्टान पर बैठकर उसे मारकर खा जाता।

(q) केकड़ा बगुले की धूर्तता से कैसे परिचित हुआ? उसने अपनी जान कैसे बचाई?

A→ केकड़ा चालाक था उसे बगुले पर विश्वास नहीं था इसलिए उसने शर्त रखी की वह बगुले की गरदन पर बैठकर चलेगा। जब केकड़ा चट्टान के पास तो हड्डियों की ढेर को देखकर सब कुछ समझ गया, उसने बगुले के गरदन पर डंक गड़ा उसे बाध्य तालाब के किनारे जाने में मजबुर कर दिया। तालाब के किनारे पहुचने के बाद उसके गरदन दबाकर उसको मार दिया। इसतरह अपनी सुझ-बुझ से केकड़े ने अपनी जान बचा ली।